पाव + किमीनुफू + भरसगदह + मीं हू + यथधआछड...

पाव + किमीनुफू + भरसगदह + मीं हू + यथधआछड...

ज़ ऊ अं आं औ अ भु ौ ि ?।॥ ° ₹ ऽ ॐ क्र ख ग्र प्र ज ज झ ज प्र त्र प्र ब प्र फ ब भ म य ल व श प्र स ह फ़ भ क्षक्ष ऋ क रु ळ क छ र ज़ फ ं ं

ज़ ऊ अं आं औं अ अं । तें ?।॥° ₹ ऽॐ क़ ख़ य घ ज़ झ अ ण त थ द ध ज प फ़ ब अ स य ल व अ ष स ह फ़ भ क्षक्ष के के के के के के के के

प फी ि अ ऄ आ ऐ औ ब भ च छ द इ ढ ध ए ऎ ग घ इ ई क ख ळ म न ङ ण ओ ऒ र ऱ स ष त थ ट ठ व यौ ो ॆ " ` ॆ ् _ _ ू ू क़ ख़ ग इ ढ़ फ़ य हु हु ज़ ौं कू ौं

प फी शि अ ऄ आ ऐ औ ब भ च छ द ड ढ ध ए ऎ ग घ इ ई क ख ळ म न ङ ण ओ ऒ र र स ष त थ ट ठ व य ौ ो ॆ " ` ॆ ् . ॢ े क ख ग ← Newest glyphs in big size.

ये भी पहिए

लखनऊ में शियाओं पर पुलिस का लाठीचार्ज, एक की मौत, हिरासत में जलाट

MORE: मुलायम सिंह यादव तस्वीर में: तस्वीर में: प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज करती लखनऊ पुलिस। वक्फ मंत्री आजम खां के खिलाफ भीड़ ने जमकर मुर्दाबाद के नारे लगाए। घटना कवर कर रहे मीडियाकर्मियों से बदसलूकी की गई। कैमरे तोड़ दिए गए। लाठीचार्ज में घायल होने वालों को ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया था। लखनऊ. यूपी की राजधानी लखनऊ में अलविदा जुमा की नमाज शुक्रवार को अदा करने के बाद मौलाना कल्बे जव्वाद ने हजारों लोगों के साथ शिया वक्फ बोर्ड में हो रहे भ्रष्टाचार के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन शुरू किया। वक्फ मंत्री आजम खां के

सहारनपुर: गुरुद्वारे की जमीन को लेकर दो समुदायों में हिंसक झड़प, लगा कर्फ्यू

उपद्रवियों ने दर्जन भर दुकानों में आग लगा दी है। फायर ब्रिगेड और पुलिस बल पर भी पथराव किया गया है। पथराव और फायरिंग में पुलिसवालों समेत दर्जनों लोग घायल। बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

मेरठ/सहारनपुर. यूपी में सहारनपुर में गुरुद्वारे की जमीन लेकर दो अल्पसंख्यक समुदायों में जमकर संघर्ष हुआ है। दोनों पक्षों की तरफ से हुए पथराव और फायरिंग में दो दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। घायलों में पुलिस का एक जवान भी शामिल है। घटना की जानकारी मिलते ही कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गई है। उपद्रवियों पर काबू पाने के लिए पुलिस ने रबड़ की गोलियां दागी हैं। अशांत इलाके में कफर्यू लगा दिया गया है।

आगजनी और तोड़फोड़

उपद्रवियों ने दर्जन भर दुकानों में आग लगाई है। वहीं, कई दुकानों पर तोड़फोड़ भी की है। भीड़ ने पेट्रोल पंप को भी आग के हवाले कर दिया। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड और पुलिस बल पर भी पथराव किया गया है। इसमें सिटी मजिस्ट्रेट सहित पांच पुलिसवालों के घायल होने की सूचना है। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

आगजनी पर काबू पाने के लिए पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी सहित कई अन्य वाहनों को भी उपद्रवियों ने आग के हवाले कर दिया है। घटनास्थल पर पुलिस और शासन के बड़े अफसर पहुंच गए हैं। पीएसी तैनात कर दी गई है। डीएम संध्या तिवारी और एसएसपी मनोज पांडेय हालात पर काबू पाने के लिए घटनास्थल पर जमे हुए हैं।

¥36

दादासाहब फालके

http://hi.wikipedia.org/s/vpe मुक्त ज्ञानकोश विकिपीडिया से **धुंडिराज गोविन्द फालके उपाख्य दादासाहब फालके** (मराठी

: दादासाहेब फाळके) (अप्रैल, - फरवरी, वह महापुरुष हैं जिन्हें भारतीय फिल्म उदयोग का 'पितामह' कहा

दादा साहब फालके, सर जे. जे. स्कूल ऑफ आर्ट से प्रशिक्षित सृजनशील कलाकार थे। वह मंच के अनुभवी अभिनेता थे, शौकिया जादूगर थे। कला भवन **बड़ौदा** से फोटोग्राफी का एक पाठयक्रम भी किया था। उन्होंने फोटो केमिकल प्रिंटिंग की प्रक्रिया में भी प्रयोग किये थे। प्रिंटिंग के जिस कारोबार में वह लगे हुए थे, 1910 में उनके एक साझेदार ने उससे अपना आर्थिक सहयोग वापस ले लिया। उस समय इनकी उम्र 40 वर्ष की थी कारोबार में हुई हानि से उनका स्वभाव चिड़िचड़ा हो गया था। उन्होंने क्रिसमस के अवसर पर 'ईसामसीह' पर बनी एक फिल्म देखी। फिल्म देखने के दौरान ही फालके ने निर्णय कर लिया कि उनकी जिंदगी का मकसद फिल्मकार बनना है। उन्हें लगा कि रामायण और महाभारत जैसे पौराणिक महाकाव्यों से फिल्मों के लिए अच्छी कहानियां मिलेंगी। उनके पास सभी तरह का हनर था। वह नए-नए प्रयोग करते थे। अतः प्रशिक्षण का लाभ उठाकर और अपनी स्वभावगत प्रकृति के चलते प्रथम भारतीय चलचित्र बनाने का असंभव कार्य करनेवाले वह पहले व्यक्ति बने।

उन्होंने 5 पौंड में एक रास्ता कैमरा खरीदा और शहर के सभी सिनेमाघरों में जाकर फिल्मों का अध्ययन और विश्लेषण किया। फिर दिन में 20 घंटे लगकर प्रयोग किये। ऐसे उन्माद से काम करने का प्रभाव उनकी सेहत पर पड़ा। उनकी एक आंख जाती रही। उस समय उनकी पत्नी सरस्वती बार्ड ने उनका साथ दिया। सामाजिक निष्कासन और सामाजिक गुस्से को चुनौती देते हुए उन्होंने अपने जेवर गिरवी रख दिये (40 साल बाद यही काम सत्यजित राय की पत्नी ने उनकी पहली फिल्म 'पार्थर पांचाली' बनाने के लिए किया)। उनके अपने मित्र ही उनके पहले आलोचक थे। अतः अपनी कार्यकुशलता को सिद्ध करने के लिए उन्होंने एक बर्तन में मटर बोई। फिर इसके बढ़ने की प्रक्रिया को एक समय में एक फ्रेम खींचकर साधारण कैमरे से उतारा। इसके लिए उन्होंने टाइमैप्स फोटोग्राफी की तकनीक इस्तेमाल की। इस तरह से बनी अपनी

Genre: कॉमेडी इरामा

Director: अजय भ्यान

Plot: 'अमित साहनी की लिस्ट' से हमने बहुत ज्यादा उम्मीदें नहीं थी, लेकिन जब हम सिनेमाहाल के भीतर घुसे तो पहले से तय की हुई धारणायें टूट गई।

'अमित साहनी की लिस्ट' से हमने बहुत ज्यादा उम्मीदें नहीं थी, लेकिन जब हम सिनेमाहाल के भीतर घुसे तो पहले से तय की हुई धारणायें ट्रट गई। क्या ऐसे हो सकता है कि कोई शख्स अपनी लाइफ पार्टनर को चुनने के लिए लिस्ट बनाए कि उसमें क्या खूबी होनी चाहिए? क्या ऐसा मुमकिन है कि आपकी लिस्ट में जो फिट बैठे उससे ही आपको प्यार हो जाए? क्या किसी लड़की को महज पहले से तय मानकों के आधार पर ही चुना जाना चाहिए? ऐसे कई ऊल-जलूल सवाल हैं जो 'अमित साहनी की लिस्ट' में आपको गुदगुदाने के लिए मौजूद हैं।

कहानी: अमित साहनी (वीर दास) एक उलझा हुआ शख्स है, जिसने अपनी लाइफ पार्टनर के लिए एक निश्चित खांचा तय किया हुआ है, कि उसमें क्या-क्या खूबी हो। अमित पेशे से एक इंवेस्टमेंट बैंकर है। 30 साल से ज्यादा की उम्र पार कर चुके अमित की मां चाहती है कि वह जल्द शादी कर ले, जबिक अमित को एक ऐसी लड़की चाहिए जिसमें वे सारे गुण हों, जो उसकी बनाई लिस्ट में पहले से दर्ज हैं। अमित को अपने लिए ऐसी ही डरीम गर्ल की तलाश है जो उसके तय खांचे में फिट बैठे। अमित जब भी किसी लड़की के साथ डेटिंग पर जाता, तो वह लड़की की खासियत अपनी लिस्ट से मिलाने लगता। जब अमित को अपनी लिस्ट से मैच करती कोई परफेक्ट लड़की नहीं मिलती तो वह एक दिन अपनी मां की बताई लड़की माला (वेगा) से मिलता

Movie Review: 'अमित साहनी की

है। चंद मुलाकातों के बाद उसे महसूस होने लगता है कि बेशक माला में वह सारी खूबियां नहीं जो उसकी लिस्ट में दर्ज हैं, बावजूद इसके उसे माला से इश्क हो जाता है। कुछ ही मुलाकातों के बाद अमित और माला आपसी रजामंदी से सगाई भी कर लेते हैं, लेकिन तभी अमित की मुलाकात देविका (अनंदिता नायर) से होती है। देविका से मिलकर अमित को लगता है कि उसमें वह सभी खूबियां हैं, जो उसकी लिस्ट में दर्ज हैं और यही उसके लिए परफेक्ट है। इसके बाद की कहानी अमित साहनी की लिस्ट के पूरा होने न होने के इर्द-गिर्द ही घूमती है। क्या अमित साहनी की शादी माला से होती है? क्या वह माला को अपनी लिस्ट की सच्चाई बता पाता है? क्या अमित देविका से शादी कर लेता है? क्या देविका और माला को समझाने में अमित सफल हो पाता है? इन्हीं तमाम सवालों के जवाब देते हुए फिल्म अपने अंत तक पहुंचती है।

एक्टिंग: वीर दास एक बेहतरीन एक्टर हैं। अमित साहनी के रोल में वीरदास जमे हैं। माला के रोल में वेगा ने भी अच्छा अभिनय किया है, जबकि देविका के रोल में अनंदिता नायर कुछ खास नहीं कर सकी। अमित के रूममेट पुष्कर के किरदार को कवि शास्त्री ने अपनी अदाकारी से जीवंत जरूर बना दिया।

डायरेक्शन: अजय भुयान ने 'अमित साहनी की लिस्ट' को अलग और नए अंदाज में पर्दे पर उतारा है। इंटरवल से पहले फिल्म कई जगहों पर जरूर उबाऊ लगती है, लेकिन धीरे-धीरे यह अपने ट्रैक पर लौट आती है। अजय भुयान ने अपने कैमरे में कई खूबसूरत लोकेसंस को कैट किया है।

	090	091	092	093	094	095	096	097
0	ੰ	ऐ	ठ	₹	ी	3წ	稺	0
1	Ů O	ऑ	ड	ऱ	ુ	0	लृ	
2	0	ऒ	ढ	ল	্ব	0	0	ॲ
3	:	ओ	ण	ळ	ृ	0	0	3‡
4	ऄ	औ	त	ऴ	ृ	0	l	ॴ
5	अ	क	य	q	ं	0		औ
6	आ	ख	द	श	े	Ç		अ
7	इ	ग	ध	ঘ) '	ੂ		ॷ
8	ई	घ	न	स	О И	क़		\times
9	3	ङ	न	ह	ॉ	ख		ज़
Α	ऊ	च	प	0	ॊ	ग		
В	ऋ	ੲ	फ	ऻ	ो	ज़		ग्र
C	लृ	ज	ৰ	Ģ	ी	इ		ত্র
D	ऍ	झ	भ	5	্	ढ़		?
E	प्	ञ	म	ा	િ	फ़		<u>ड</u>
F	ए	ट	य	ি	ী	य़		ब

	090	091	092	093	094	095	096	097
0	ੰ	ऐ	ठ	₹	ी	3ŏ	稺	0
1 	ं	ऑ	ड	₹.	ु	0	लृ	
2	Ċ	ऒ	ढ	ल	্ব	0	0	ॲ
3	O :	ओ	ण	ळ	ृ	0	0	3‡
4	अ	औ	त	ऴ	ृ	0	I	आ
5	अ	क	थ	q	٠ ٥	0	II	औ
6	आ	ख	द	श	े	Ç		अ
7	इ	ग	ម	ष)	ੂ		अ
8	ई	घ	न	स	O N	क़		\times
9	3	ङ	न	ह	ॉ	ख	: : : : : : : : :	ज़
Α	ऊ	च	प	• •	ॊ	ग		
В	汞	ੲ	फ	ា់	ो	ज़		ग्र
C	लृ	ज	ब	Ģ	ी	ड़		ত্র
		झ				ढ़	: : : : : : : : :	7
Ε	प्र	ञ	म	ा	ি	फ़	· · · · · · ·	<u>ड</u>
F	ए	ट	य	ি	ॏ	य		g